Syllabus and Course Scheme

Academic year 2014-15

Master of Arts – Hindi

Exam.-2015

UNIVERSITY OF KOTA

MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India

Website: uok.ac.in

रोजगार की दृष्टि से हिंदी का पाठ्यक्रम

एम. ए. हिंदी 'भाषाविज्ञान' का पत्र रोजगार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। आइ. ए. एस., आर. ए. एस. नेट, स्लेट मे भाषा के कई प्रष्न आते है। आई. ए. एस. एवं आर. ए. एस. के सिलेबस मे 'हिंदी भाषा' एक भाग है। अतः रोजगार की दृष्टि से भाषाविज्ञान की व्यापक संभावनाएँ हैं। एम. ए. पूर्वाद्ध हिंदी साहित्येतिहास का पत्र उच्च प्रतियोगी परीक्षा के सामान्य ज्ञान आत्मकथा, पत्रकारिता, उपन्यास, कहानी इत्यादी से संबंधित सामान्य ज्ञान से भी संबंध रखता है।

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम : 2015

इस पाठ्यक्रम में कुल 9 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा । एम.ए. पूर्वार्द्ध में 4 एवं उत्तरार्द्ध में 5 प्रश्नपत्र होंगे।

एम.ए. उत्तरार्द्ध– परीक्षा 2015
प्रथम प्रश्नपत्र : काव्य –3 (आधुनिक काव्य)

समयः 3 घण्टे अधिकतम अंकः 100

नोटः इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाइयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा ।प्रश्न संख्या 12 (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष 03 प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर दिया जाना है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

इकाई – I

1. साकेत (नवम सर्ग) – मैथिलीशरण गुप्त

इकाई – II

2. कामायनी (केवल चिन्ता, श्रद्धा, इड़ा सर्ग) – जयशंकर प्रसाद
3. राम की शक्तिपूजा, सरोजस्मृति ("अनामिका" से) – सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला"

इकाई – III

5. अँधेरे में ('चाँद का मुँह टेढ़ा है' से) – गजानन मा. "मुक्तिबोध"

इकाई – IV

4. असाध्य वीणा ("आँगन के पार द्वार' से) – सच्चिदानन्द ही. वात्स्यायन "अज्ञेय"

इकाई – V

6. आत्मजयी – कुँवर नारायण

सहायक ग्रन्थ :

1. साकेत – एक अध्ययन – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
2. साकेत : विचार और विश्लेषण – वचन देव कुमार , लोक भारती, इलाहाबाद
3. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
4. कामायनीः एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध, राजकमल, नयी दिल्ली
5. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
6. छन्द छन्द पर कुंकुम – वागीश शुक्ल, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. रीति विज्ञान – विद्या निवास मिश्र, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
8. अन्तस्तल का पूरा विप्लव : अँधेरे में – सं. निर्मला जैन, नयी दिल्ली
9. लम्बी कविताओं का रचना– विधान – नरेन्द्र मोहन, मैकमिलन, नयी दिल्ली

द्वितीय–प्रश्नपत्र :साहित्यशास्त्र

नोटः इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाइयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा । दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

इकाई – I

भारतीय–काव्यशास्त्र –भारतीय काव्य चिन्तन का विकास
रस सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा
ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप– भेद, ध्वनि – विरोधी मत और स्थापना, ध्वनि–काव्य के भेद

इकाई – II

अलंकार सिद्धान्त : अलंकारों का स्वरूप– विकास– महत्त्व
रीति सिद्धान्त : रीति का स्वरूप – भेद, काव्य गुण
वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति : स्वरूप–भेद, वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद
औचित्य सिद्धान्त : स्वरूप, भेद

इकाई – III

पाश्चात्य काव्यशास्त्र–पाश्चात्य काव्य चिन्तन का विकास
अरस्तू : अनुकरण, विरेचन व त्रासदी
लोंजाइनस : औदात्य सिद्धान्त
वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा सिद्धान्त
कॉलरिज : कल्पना – सिद्धान्त
क्रोचे : अभिव्यंजनावाद
टी.एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण,
आई.ए. रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त, काव्यभाषा सिद्धान्त

इकाई – IV

वाद और प्रवृत्तियाँ – अभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद – उत्तर संरचनावाद, विखंडनवाद

इकाई – V

आलोचना– प्रणालियाँ

शास्त्रीय, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, शैलीवैज्ञानिक, व्याख्यात्मक, नई समीक्षा

आधुनिक अवधारणाएँ

बिम्ब, प्रतीक, फैंटेसी, मिथक

सहायक ग्रन्थ :

1. भारतीय काव्य विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्रयम्बक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, मुम्बई (अप्राप्य)
3. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास भाग –2 : सुशील कुमार डे, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना (अप्राप्य)
4. भारतीय काव्यशास्त्र – सं. उदयभानु सिंह, राजेश प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
6. पाश्चात्य साहित्य–चिन्तन – निर्मला जैन – कुसुम बाँठिया, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
7. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ – सं. उदयभानु सिंह आदि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
8. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र –गोपीचन्द नारंग, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली

तृतीय प्रश्नपत्र : भाषाविज्ञान, हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि

नोटः इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाइयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा।दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक : 40

इकाई – I

भाषा और भाषाविज्ञान

भाषा : परिभाषा और अभिलक्षण

भाषा के रूप : बोली और भाषा के विधि रूप,, भाषा –व्यवस्था और भाषा– व्यवहार

भाषाविज्ञान : अंग, प्रकृति तथा अन्य अनुशासनों से संबंध

भाषाविज्ञान : सैद्धान्तिक एवं अनुप्रयुक्त

भाषावैज्ञानिक अध्ययन की प्रणालियाँ : ऐतिहासिक, तुलनात्मक, वर्णनात्मक–संरचनात्मक

भाषाओं का वर्गीकरण : आकृतिमूलक एवं पारिवारिक

भाषावैज्ञानिक चिन्तन का इतिहास, प्रमुख भारतीय एवं पाश्चात्य भाषा–विचारक: पाणिनि, पतंजलि, भर्तृहरि, सस्यूर, ब्लूमफील्ड, चॉम्स्की

इकाई – II

ध्वनि/स्वन–विज्ञान

प्रमुख अवधारणाएँ : स्वन, संस्वन, स्वनिम, स्वनगुण, वागवयव

स्वन विज्ञान की शाखाएँ : औच्चारणिक (Articulatory), सांवहनिक (Acoustic), श्रावणिक (।नकपजवतल)

स्वनों की वैज्ञानिकता और वर्गीकरण, मान स्वर, हिन्दी ध्वनियों (स्वनों) का स्वनवैज्ञानिक वर्गीकरण

स्वनिमिक विश्लेषण और हिन्दी स्वनिम,

स्वनिक परिवर्तन : कारण और प्रवृत्तियाँ, कुछ प्रसिद्ध ध्वनि/स्वन नियम

इकाई – III

पद/रूप–विज्ञान

अवधारणात्मक पद : शब्द और पद/रूप–विज्ञान और वाक्य विज्ञान, संरूप, रूपिम, व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन, कारक, पुरुष, काल, वृत्ति, पक्ष, वाच्य।

रूपिम–निर्धारण, रूपिमों के प्रकार, रूप–परिवर्तन : कारण और प्रवृत्तियाँ, हिन्दी शब्द–रचना, हिन्दी रूप–रचना

वाक्य–विज्ञान–वाक्य की अवधारणाः अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य की आधार–आवश्यकताएँ

वाक्य के भेद – वाक्य–विश्लेषण : वाक्यीय सम्बन्धों का विश्लेषण – विन्यासक्रमी और सहचारक्रमी, निकटस्थ अवयव–विश्लेषण, रूपान्तरण के नियम

हिन्दी वाक्य–रचना

इकाई – IV

अर्थ–विज्ञान

वाक्य की अवधारणा : शब्द और अर्थ का सम्बन्ध

अर्थ–बोध के साधन, अर्थ–निर्धारण की प्रक्रिया और आधार

अर्थ–परिवर्तन की प्रवृत्तियाँ और कारण

इकाई – V

हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि

(i) हिन्दी भाषा और उसकी संघटक बोलियाँ तथा उनके अन्तः सम्बन्धों का आधार

हिन्दी भाषा के विविध रूप : सम्पर्क भाषा, साहित्य भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम और संचार भाषा, हिन्दी शब्द समूह और नयी शब्दावली का निर्माण

हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : वैदिक और लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश–अवहट्ट

(ii) भाषा और लिपि का सम्बन्ध , भारतीय लिपियाँ और देवनागरी लिपि, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और सीमाएँ, हिन्दी ध्वनियों (स्वरों) और देवनागरी लिपि का मानकीकरण

<u>सहायक ग्रन्थ :</u>

1. भाषाविज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. आधुनिक भाषाविज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी, नयी दिल्ली
3. भाषाविज्ञान – सं. राजमल बोरा , नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
4. भाषाशास्त्र के सूत्रधार – सं. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
5. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
6. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
7. हिन्दी : उद्‌भव, विकास और रूप – हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
8. भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताबमहल, इलाहाबाद
9. हिन्दी भाषा और उसका विकास – हनुमानप्रसाद शुक्ल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

चतुर्थ प्रश्नपत्र :गद्य साहित्य–2 (नाटक, निबन्ध तथा आलोचना)

नोटः इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो ।
कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाइयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा ।प्रश्न संख्या 12 (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष 03 प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर दिया जाना है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

इकाई – I

(क) **नाटक**

चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद, अंधायुग– धर्मवीर भारती

इकाई – II

(ख) **निबन्ध** – चिन्तामणि भाग –1 –रामचन्द्र शुक्ल
(पाँच निबन्ध : लज्जा और ग्लानि, लोभ और प्रीति, कविता क्या है, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था, साधारणीकरण और व्यक्तिवैचित्र्यवाद)

इकाई – III

(ग) **निबन्ध** – कल्पलता – हजारी प्रसाद द्विवेदी
(पाँच निबन्ध : शिरीष के फूल, ठाकुर जी की बटोर, संस्कृतियों का संगम, धर्मस्य तत्त्वं निहितं गुहायाम्, मनुष्य की सर्वोत्तम कृति : साहित्य)

इकाई – IV

(घ) **आलोचना :** (आलोचनात्मक निबन्ध), तुलसी की भावुकता (गोस्वामी तुलसीदास से) – रामचन्द्र शुक्ल

भारतीय धर्मसाधना में कबीर का स्थान (कबीर से) – हजारीप्रसाद द्विवेदी

छायावाद (आधुनिक साहित्य से) – नन्ददुलारे वाजपेयी

रस–सिद्धान्त के विरूद्ध आक्षेप और उनका समाधान (रस सिद्धान्त से) – नगेन्द्र

सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास (आस्था और सौन्दर्य से) – रामविलास शर्मा

इकाई – V

काव्यभाषा और बिम्ब प्रक्रिया (मध्यकालीन हिन्दी काव्यभाषा से) – रामस्वरूप चतुर्वेदी

लघुमानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस (छठवाँ दशक से) – विजयदेवनारायण साही

काव्य–बिम्ब और सपाटबयानी (कविता के नये प्रतिमान से) – नामवर सिंह

सहायक ग्रन्थ– अंधायुग– पाठ और प्रदर्शन– जयदेव राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली

पंचम प्रश्नपत्र : विशेष कवि : (1) तुलसीदास

नोटः इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो ।
कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाइयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा ।प्रश्न संख्या 12 (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष 03 प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर दिया जाना है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

इकाई – I

रामचरितमानस (अयोध्याकांड)

इकाई – II

रामचरितमानस (सुंदरकांड)

इकाई – III

विनयपत्रिका : उत्तरार्द्ध – सं. वियोगी हरि

इकाई – IV

कवितावली (केवल उत्तरकांड)

इकाई – V

गीतावली (केवल अयोध्याकांड)

सहायक ग्रन्थ :

1. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, ना.प्र.स., काशी
2. तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी
3. तुलसी : प्रेरणा, परिवेश, प्रतिफलन – हरिकृष्ण अवस्थी, ना.प्र.स., काशी
4. तुलसीदास – माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद् प्रकाशन, इलाहाबाद
5. तुलसी काव्य–मीमांसा – उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
6. तुलसी – सं. उदयभानु सिंह
7. तुलसी के हिय हेरी – विष्णुकान्त शास्त्री, लोकभारती, इलाहाबाद
8. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली

पंचम प्रश्नपत्र : विशेष लेखकः (2) प्रेमचन्द

नोटः इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाइयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा ।प्रश्न संख्या 12 (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष 03 प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर दिया जाना है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 40

इकाई – I

सेवासदन – उपन्यास

इकाई – II

गबन

इकाई – III

रंगभूमि

इकाई – IV

प्रतिनिधि कहानियाँ (राजकमल प्रकाशन, न.दि.–सं. भीष्म साहनी)

इकाई – V

प्रमचन्द– कुछ विचार

सहायक ग्रन्थ :

1. प्रेमचन्द और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल, न. दि.
2. प्रेमचन्द – सं. सत्येन्द्र, राधाकृष्ण, न. दि.
3. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल, न.दि.
4. प्रेमचन्द – सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

पंचम प्रश्नपत्र : (3) हिन्दी नाटक और रंगमच

नोटः इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाइयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा ।प्रश्न संख्या 12 (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष 03 प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर दिया जाना है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 40

इकाई – I

अन्धेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

इकाई – II

अजातशत्रु – जयशंकर प्रसाद

इकाई – III

आधे–अधूरे – मोहन राकेश

इकाई – IV

आठवाँ सर्ग – सुरेन्द्र वर्मा

इकाई – V

हानूश – भीष्म साहनी

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह , राधाकृष्ण, न.दि.
2. भरत और भारतीय नाट्यकता – सुरेन्द्रनाथ दीक्षित, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. रंग दर्शन – नेमिचन्द्र जैन, राधाकृष्ण, न.दि.
3. हिन्दी नाटक और रंगमंच –सं. नेमिचन्द्र जैन, मेकमिलन, दिल्ली
4. अन्धायुग : पाठ और प्रदर्शन–जयदेव तनेजा, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, न. दि.
5. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच – गिरीश रस्तोगी भारतीय ज्ञानपीठ न. दि.
6. अन्धेर नगरी : संवेक्षा और शिल्प – सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना

पंचम प्रश्नपत्र :विशेष कवि : (4) जयशंकर प्रसाद

नोटः इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाइयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा ।प्रश्न संख्या 12 (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष 03 प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर दिया जाना है ।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

इकाई – I

कामायनी– संपूर्ण जयशंकर प्रसाद

इकाई – II

चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद

इकाई – III

काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध
(केवल काव्य और कला, रहस्यवाद, रस, रंगमंच, यथार्थवाद और छायावाद)

इकाई – IV

कंकाल – जयशंकर प्रसाद

इकाई – V

आकाशदीप (कहानी संकलन)

सहायक ग्रन्थ :

1. जयशंकर प्रसाद – रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
2. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
3. जयशंकर प्रसाद – नन्द दुलारे वाजपेयी, लोकभारती, इलाहाबाद
4. प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
7. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद
8. कामायनी–एक पुनर्विचार – गजाननमाधव मुक्तिबोध, राजकमल, नयी दिल्ली